ikB&20

आओ खेलें मिट्टी से

कमला अपने भाई के साथ मिट्टी लाकर घरौंदा बना रही थी। तभी उसकी सहेली सलमा आ पहुँची।

l yek & क्या बना रही हो, कमला ?

dey k & घरौंदा बना रही हूँ।

l yek & मुझे घरौंदा बनाना सिखाओ ना।

dey k & हाँ–हाँ क्यों नहीं। थोड़ी–सी मिट्टी लो। उसमें पानी डालकर मिट्टी को गूँधो। इस गूँधी हुई मिट्टी से दीवारें बनाओ।

कमला और सलमा दोनों सहेलियाँ घरौंदे बनाने लगीं।

crkb,&

1- D;k vkius feVVh dk ?kjkSnk cuk;k gS\

____

2- vkids ?kj esa feVVh ls cuh dkSu&dkSu lh phtsa gSa\

____

____

____

3- vkids ?kjksa esa feVVh ds cjru fdl&fdl dke esa vkrs gSa\

____

____

irk dhft,&

4- dEgkj d ?kj tkb, vkj nf[k, fd ?kMk r;kj dju d fy, mI D;k&D;k r;kjh djuh iMrh g\

____

____

____

____

5- dEgkj feVVh dh pht dI cukr g ;g uhp fy[kk x;k gA ij bI dk Øe lgh ugh gA Øe dk lgh dhft,A

बने बर्तन को सुखाना ◯	मिट्टी खोदकर लाना ◯
पके बर्तन में रंग लगाना और बाजार में जाना ◯	सूखे बर्तनों को आग में पकाना ◯
चाक पर बर्तन बनाना ◯	मिट्टी तैयार करना। ◯

6- vkids xkao e ykx D;k&D;k dke djr g] budk rkfydk e fyf[k,] bu dkek dk djuoky ykxk dk D;k dgk tkrk g\ budk uke Hkh fyf[k,A

Ø-l-	dke	bUgs dgrs gSA
1.	मिट्टी के बर्तन बनानेवाले	
2.		
3.		
4.		

7- Åij cu fp= d vk/kkj ij uhp dh rkfydk dk ijk dhft ,A

feVVh dh cuh pht	ydMh dh cuh pht	ykgk dh cuh pht

8- lgh 'kCnk dk pudj [kkyh txg Hkfj,&

दर्जी, किसान, डॉक्टर, शिक्षक

1. जो खेत में अन्न उगाता है। ——————————

2. जो ईलाज करता है। ——————————

3. जो विद्यालय में पढ़ाते हैं। ——————————

4. जो कपड़ा सिलता है। ——————————

dN djs%

शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह बनाकर तालाब, खेत, बगीचे, मैदान, नदी और सड़क की ओर ले जाएँ। अलग–अलग जगह से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कीजिए। वापस कक्षा में आकर मिट्टी के इन नमूनों को देखकर मिट्टी के रंग व उसके दूसरे गुणों की पहचानकर उन्हें दी गई तालिका में भरिए।

LFkku dk uke	Ndj n[ku ij			feVVh dk jx
	[kjnjh	fpduh	jrhyh	
खेत				
बगीचा				
मैदान				
तालाब				
नदी				
सड़क				

ge ykxks us vc rd feVVh] ty] iM&ik/k] tho&tUr] ifjokj vkj nkLrk ds ckjs es ckrphr dhA bu lc ls feydj gekjk i;koj.k curk gSA buds lkFk viuk etcr lc/k gkuk pkfg,A ;g gekjs fodkl ds fy, vko';d gSA i;koj.k dk vxj {kfr igprh gS rks ge Hkh {kfr gkxhA

CCC

हमारा संविधान
हमारा मूल कर्त्तव्य

51क. मूल कर्त्तव्य— भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह–

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिक्षण करें;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों, में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।

[(ट) माता–पिता या संरक्षक, जैसी भी स्थिति हो, अपने उस बच्चे की, जिसकी आयु छः से चौदह वर्ष के बीच है, शिक्षा देने का अवसर प्रदान करेगा।]